

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4296
13.12.2019 को उत्तर के लिए

जलवायु संबंधी आपदाएं

4296. श्री राजमोहन उन्नीथन :

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार के पास देश में जलवायु संबंधी आपदाओं के कारण होने वाली मौतों की औसत वार्षिक संख्या के संबंध में कोई आंकड़े हैं;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार की जलवायु परिवर्तन संबंधी आपदाओं के प्रबंधन और शमन के लिए कोई योजना अथवा परियोजना है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) वर्ष 2019 में प्रधान मंत्री की जलवायु परिवर्तन संबंधी परिषद (पीएमसीसीसी) की कितनी बैठकें हुई हैं और तत्संबंधी क्या परिणाम रहे हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख) जलवायु परिवर्तन संबंधी अंतरसरकारी पैनल (आइपीसीसी) सहित विभिन्न अभिकरणों द्वारा कराए गए जलवायु प्रतिमान अनुरूपण अध्ययनों से जलवायु परिवर्तन का मौसम संबंधी घटनाओं की बारंबारता और तीव्रता के साथ संबद्ध होने की संभावना का पता चलता है। तथापि, जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली मौतों की संख्या के साथ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने संबंधी आंकड़ों की कमी है।

(ग) भारत मौसम-विज्ञान विभाग (आइएमडी), भारी वर्षा, अत्यधिक तापमान, चक्रवातों आदि जैसी विषम मौसमी घटनाओं के बारे में पूर्व चेतावनी सहित मौसम और जलवायु की निगरानी, पता-लगाने और पूर्वानुमान लगाने का कार्य कर रहा है। आइएमडी द्वारा राष्ट्रीय, राज्यीय और जिला स्तरों पर पूर्वानुमान और चेतावनियां जारी की जाती हैं। इसके पास राज्य और जिला स्तरीय अभिकरणों के साथ बेहतर समन्वय करने के लिए राज्य मौसम-विज्ञान केंद्रों का एक नेटवर्क है।

बाढ़ संबंधी पूर्वानुमान लगाने की विशिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करने के क्रम में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), जल शक्ति मंत्रालय और आइएमडी देश में तेरह स्थानों पर बाढ़ मौसम-विज्ञान कार्यालयों (एफएमओ) का प्रचालन कर रहे हैं। सीडब्ल्यूसी, नदी जल स्तर के खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने पर यथासमय बाढ़ पूर्वानुमान लगाने के लिए आइएमडी और राज्य सरकारों के गहन सहयोग से कार्य कर रहा है। एफएमओ भारत की 43 नदियों के 146 नदी बेसिनों के संबंध में समयपूर्व बाढ़ संबंधी चेतावनियां जारी करने के लिए सीडब्ल्यूसी को मौसम-विज्ञान संबंधी सहायता प्रदान करता है। सीडब्ल्यूसी 176 केंद्रों के लिए अग्रिम तौर पर 6 घंटे से 30 घंटे के बाढ़ पूर्वानुमान जारी करता है।

आइएमडी गर्म हवाओं से संबंधित पूर्व चेतावनी भी जारी करता है। आइएमडी ने स्थानीय स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से गर्म हवाओं के बारे में आगाह करने के लिए देश के अनेक हिस्सों में ताप कार्य योजना शुरू कर दी है तथा ऐसे अवसरों के दौरान की जाने वाली कार्रवाई के बारे में सलाह भी देता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और आइएमडी ताप कार्रवाई योजनाओं के लिए गर्म-हवाओं की परिस्थितियां तैयार करने के लिए जिम्मेदार उच्च तापमानों वाले 23 राज्यों पर कार्य कर रहे हैं।

आंधी-तूफान और संबद्ध विषम मौसमी घटनाओं के प्रभाव का शमन करने के लिए आइएमडी देश में लगभग 600 केंद्रों के लिए नियमित आधार पर तीन घंटे के नजदीकी अनुमान जारी करता है। आइएमडी के पास राज्य स्तर पर प्रचालनात्मक चेतावनी कार्यकलापों तथा अनुसंधान और विकास संबंधी कार्यकलापों को करने के लिए चेन्नै, कोलकाता और मुंबई में तीन क्षेत्र चक्रवात चेतावनी केंद्र तथा अहमदाबाद, भुवनेश्वर, तिरुवनन्तपुरम और विशाखापटनम में चार चक्रवात चेतावनी केंद्र हैं।

भारत सरकार ने देश में चक्रवात जोखिमों का निराकरण करने के विचार से राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम उपशमन परियोजना (एनसीआरएमपी) भी शुरू की है। इस परियोजना का समग्र उद्देश्य, भारत के तटीय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में चक्रवातों के प्रभावों का शमन करने के लिए उपयुक्त संरचनात्मक और असंरचनात्मक उपाय आरंभ करना है।

एनडीएमए ने चक्रवातों, बाढ़ों और गर्म हवाओं जैसी विषम मौसम-संबंधी आपदाओं के प्रबंधन हेतु विभिन्न आपदा विशिष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आपदा जोखिम प्रबंधन में राज्य सरकारों सहित सभी हितधारकों को सहायता प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (एनडीएमपी) प्रतिपादित की गई है।

(घ) जलवायु परिवर्तन संबंधी प्रधानमंत्री की परिषद (पीएमसीसीसी) के सहायतार्थ बनी जलवायु परिवर्तन संबंधी कार्यकारी समिति की एक बैठक वर्ष 2019 में आयोजित की गई है।
